परिशिष्ट-II

अधिकारी ग्रेड बी (सीधी भर्ती)-सामान्य - 2019 के लिए चयन योजना तथा पाठ्यक्रम

चयन ऑन-लाइन परीक्षाओं तथा साक्षात्कार के माध्यम से होगा। परीक्षाएं निम्नानुसार दो चरणों में होंगी।

(I) चरण-I - ऑन-लाइन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ स्वरूप): इस परीक्षा में 200 अंकों के लिए एक प्रश्नपत्र होगा। यह परीक्षा 9 नवंबर 2019 को आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों की संख्या के आधार पर परीक्षा कई पालियों में तथा कुछ अन्य दिनों पर भी आयोजित की जा सकती है। तथापि एक उम्मीदवार को एक ही दिन एक पाली में परीक्षा के लिए उपस्थित होना होगा। उम्मीदवार को जिस तारीख, समय तथा स्थान पर परीक्षा के लिए उपस्थित होना होगा, उसकी जानकारी उम्मीदवार द्वारा हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) से डाउनलोड किए जाने वाले प्रवेश पत्र में दी जाएगी। उम्मीदवारों द्वारा विभिन्न सत्रों (यदि आयोजित किए गए हों) में प्राप्त किए गए शुद्ध अंकों का सामान्यीकरण इक्वीपरसेंटाइल तरीके से किया जाएगा। (यदि परीक्षा एक से अधिक पाली में आयोजित की जाती है, तो विभिन्न पालियों में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न टेस्ट बैटरियों की कठिनाई स्तर में मामूली अंतर के लिए समायोजित करने के लिए विभिन्न पालियों के स्कोर को IBPS के मानक प्रथा के अनुसार बराबर किया जाएगा।)

क) इस प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित परीक्षाएं शामिल हैं:

i. सामान्य ज्ञान
ii. अंग्रेजी भाषा
iii. परिमाणात्मक अभिरूचि और
iv. तार्किक परीक्षा

उत्तर देने के लिए कुल 120 मिनट का समय दिया जाएगा। तथापि प्रत्येक परीक्षा के लिए अलग समय निर्धारित होगा। परीक्षा के संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी सूचना हैंडआउट में दी जाएगी जिसे प्रवेश पत्र के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट से उम्मीदवारों द्वारा डाउनलोड किए जाने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

उम्मीदवारों को प्रत्येक परीक्षा में बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित अलग-अलग न्यूनतम अंक तथा समग्र अंक प्राप्त करने होंगे।

जो उम्मीदवार प्रत्येक परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा निर्धारित अलग-अलग न्यूनतम अंक प्राप्त करेगा उन्हें चरण-I में प्राप्त समग्र अंकों के आधार पर चरण-II परीक्षा के लिए चुना जाएगा। चरण-II परीक्षा के लिए चुने जाने के लिए न्यूनतम समग्र कट-ऑफ अंकों का निर्धारण बोर्ड द्वारा रिक्तियों की संख्या के आधार पर किया जाएगा। चरण-II परीक्षा के लिए चुने गए उम्मीदवारों के रोल नं. चरण-I परीक्षा के लगभग एक सप्ताह के बाद भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे।

(II) चरण-II ऑनलाइन परीक्षा: चरण-I परीक्षा के परिणामों एवं बोर्ड द्वारा तय की गई कट ऑफ के आधार पर केवल चुने गए उम्मीदवारों के लिए चरण-II ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन 1 दिसम्बर 2019 को किया

जाएगा। चरण-II परीक्षा पालियों में आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों को सभी पालियों में उपस्थित होना होगा। प्रत्येक पाली के लिए अलग प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। चरण-II परीक्षा की समय-सारणी संबंधित उम्मीदवारों को चरण-II परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र के साथ भेज दी जाएगी। चरण-II ऑनलाइन परीक्षा में निम्नानुसार तीन प्रश्नपत्र होंगे:

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का प्रकार	समयावधि (मिनट)	अंक
प्रश्न-पत्र I : आर्थिक और सामाजिक मुद्दे	वस्तुनिष्ठ प्रकार	90	100
प्रश्न-पत्र II: अंग्रेजी (लेखन कौशल)	वर्णनात्मक, की-बोर्ड की सहायता से टाईप करना होगा	90	100
प्रश्न-पत्र III: वित्त और प्रबंधन	वस्तुनिष्ठ प्रकार	90	100

टिप्पणी: सभी प्रश्नपत्र (दोनो चरणों में अंग्रेजी परीक्षा को छोड़कर) हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी रूप में तैयार किए जाएंगे।

बोर्ड अपने विवेक पर परीक्षा की तारीखों तथा समय में परिवर्तन कर सकता है।

(III) साक्षात्कार: चरण-II (प्रश्न-पत्र I + प्रश्न-पत्र II + प्रश्न-पत्र III) में प्राप्त समग्र अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना जाएगा। साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने के लिए न्यूनतम कट-ऑफ अंकों का निर्धारण बोर्ड रिक्तियों की संख्या के आधार पर करेगा। साक्षात्कार के लिए चुने गए उम्मीदवारों के रोल नंबर उचित समय पर भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे तथा साक्षात्कार के लिए बुलावा पत्र पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेजा जाएगा। साक्षात्कार 50 अंकों का होगा। उम्मीदवार अपनी इच्छा के अनुसार हिंदी या अंग्रेजी में साक्षात्कार दे सकते हैं। अंतिम तौर पर चयन मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा जो उम्मीदवारों द्वारा चरण-II तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों को जोड़कर बनाई जाएगी।

पाठ्यक्रम (चरण-II)

प्रश्नपत्र-I - आर्थिक और सामाजिक मुद्दे:

वृद्धि और विकास - वृद्धि का पैमाना: राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय - भारत में गरीबी उन्मूलन और रोजगार निर्माण- धारणीय विकास और पर्यावरणीय मुद्दे। भारत में आर्थिक सुधार - औद्योगिक और श्रमिक नीति- मौद्रिक और राजकोषीय नीति- निजीकरण - आर्थिक आयोजना की भूमिका। भूमंडलीकरण- भारतीय अर्थव्यवस्था का खुलापन -भुगतान संतुलन, निर्यात-आयात नीति - अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएं - अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक - विश्वव्यापार संगठन- क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग। भारत में सामाजिक संरचना - बहुसंस्कृतिवाद- जनसंख्यात्मक प्रवृत्तियां - शहरीकरण और पलायन- लैंगिक समस्याएं - सामाजिक न्याय: अल्पसुविधा प्राप्त लोगों के पक्ष में सकारात्मक भेदभाव - सामाजिक आंदोलन - भारतीय राजनैतिक प्रणाली - मानव विकास - भारत में सामाजिक क्षेत्र, स्वास्थ्य और शिक्षा।

सुझाई गई संदर्भ सामग्री:

पुस्तकें: 1. इंडियन इकॉनमी: उमा कपिला (पुस्तक श्रृंखला) 2. इंडियन इकॉनमी: मिश्रा पुरी (नवीनतम संस्करण) 3. ग्रोथ एंड डेवल्पमेंट: देवराज रे 4. सोशऑलजी: सी.एन. शंकर राव	**साप्ताहिक/मासिक पत्रिकाएं/बुलेटिन/रिपोर्टें** 1. इक्नॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली 2. सदर्न इकॉनमिस्ट 3. योजना 4. बिजनेस इंडिया 5. भारिबैं बुलेटिन
समाचार पत्र: 1. इक्नॉमिक टाईम्स 2. हिंदू 3. बिजनेस स्टैंडर्ड	**रिपोर्टें:** 1. वर्ल्ड डेव्लपमेंट रिपोर्ट 2. भारत का आर्थिक सर्वेक्षण

<u>प्रश्न पत्र-II-अंग्रेजी (लेखन कौशल):</u>

अंग्रेजी का प्रश्नपत्र इस प्रकार बनाया जाएगा कि लेखन कौशल, अभिव्यक्ति तथा विषय की समझ का मूल्यांकन किया जा सके।

<u>प्रश्न पत्र-III-वित्त और प्रबंधन:</u>

(I) वित्त

(अ) वित्तीय प्रणाली

1. बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के विनियामक
2. भारतीय रिज़र्व बैंक – कार्य तथा मौद्रिक नीति का संचालन, भारत में बैंकिंग प्रणाली, वित्तीय संस्थाएं – सिडबी, एग्जिम, नाबार्ड, राष्ट्रीय आवास बैंक आदि।

(ब) वित्तीय बाजार

प्राथमिक तथा द्वितीयक बाजार (विदेशी मुद्रा, मुद्रा, बांड, इक्विटी आदि) के कार्य, साधन, हाल ही में हुए विकास।

(स) सामान्य विषय

1. बैंकिंग क्षेत्र में जोखिम प्रबंधन
2. डेरिवेटिव की मूल बातें: फार्वर्ड, फ्यूचर्स तथा स्वैप
3. बैंकिंग क्षेत्र का बदलता परिदृश्य
4. वित्तीय क्षेत्र में हाल ही में हुए सुधार, पोर्टफोलियो निवेश, सार्वजनिक क्षेत्र के सुधार, विनिवेश
5. वित्तीय समावेशन – तकनीक का प्रयोग
6. वित्त के वैकल्पिक स्रोत, निजी तथा सामाजिक लागत-लाभ, सार्वजनिक-निजी भागीदारी
7. बैंकिंग क्षेत्र में कंपनी अभिशासन, सरकारी क्षेत्र में भ्रष्टाचार तथा अकुशलता दूर करने में ई-अभिशासन की भूमिका
8. संघीय बजट- प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर; राजस्व के करेतर स्रोत, जीएसटी, 13वां वित्तीय आयोग

तथा जीएसटी, वित्तीय आयोग, राजकोषीय नीति, राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध अधिनियम (एफआरबीएम)

9. मुद्रास्फिति: परिभाषा, प्रवृत्ति, अनुमान, परिणाम तथा उपाय (नियंत्रण): थोक मूल्य सूचकांक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक - घटक तथा प्रवृत्तियां

सुझाई गई संदर्भ सामग्री:

क. एन इंट्रोडक्शन टू इक्नॉमिक्स – ए डब्ल्यू स्टोनिअर तथा डी सी हॉग
ख. मॉनिटरी थियोरी एंड पब्लिक पॉलिसी – किनिथ कुरिहरा
ग. इंडियन इकॉनमी- मिश्रा तथा पुरी
घ. भारतीय अर्थव्यवस्था –आर. दत्त तथा केपीएम सुंदरम
ङ. इक्नॉमिक ग्रोथ एंड डिवेलप्मेंट – मेयर एंड बाल्डविन
च. मुख्य आर्थिक समाचार पत्र तथा इक्नॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली
छ. पब्लिक फाइनेंस – के के एंडली तथा सुंदरम
ज. फाइनेन्शियल मैनेजमेंट – प्रसन्न चंद्र

(II) <u>प्रबंधन:</u>

प्रबंधन: इसकी प्रकृति और कार्यक्षेत्र; प्रबंधकीय प्रक्रिया; आयोजना, संगठन, स्टाफ नियोजन, निदेशन एवं नियत्रंण; किसी संगठन में प्रबंधक की भूमिका । नेतृत्व: नेता के कार्य; नेतृत्वशैली; नेतृत्व के सिद्धांत; सफल नेता बनाम प्रभावी नेता । मानव संसाधन विकास: मानव संसाधन विकास (एचआरडी) की अवधारणा; एचआरडी के लक्ष्य; कार्य निष्पादन मूल्यांकन- संभाव्यता मूल्यांकन और विकास - फीडबैक और कार्य निष्पादन परामर्श - कैरियर आयोजना - प्रशिक्षण और विकास - पुरस्कार - कर्मचारी कल्याण । अभिप्रेरणा, मनोबल और प्रोत्साहन: अभिप्रेरणा के सिद्धांत; प्रबंधक कैसे अभिप्रेरित करता है; मनोबल की अवधारणा; मनोबल को निर्धारित करने वाले तत्व; मनोबल बढ़ाने में प्रोत्साहनों की भूमिका । संप्रेषण: संप्रेषण प्रक्रियाक्रम; संप्रेषण माध्यम; मौखिक बनाम लिखित संप्रेषण; वाचिक बनाम अवाचिक संप्रेषण; उर्ध्वगामी, अधोगामी और पार्श्विक संप्रेषण; संप्रेषण की बाधाएं, सूचना तकनीक की भूमिका । कंपनी अभिशासन: कंपनी अभिशासन को प्रभावित करने वाले तत्व; कंपनी अभिशासन के तंत्र।

इस खंड के प्रश्न मूलभूत स्वरूप के होंगे।